केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 61 सोमवार 23 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जिला अस्पताल में भर्ती बच्चे में दीमागी बुखार की पुष्टि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला अस्पताल में बुखार पीड़ित 10 वर्षीय बच्चे के रीढ़ की हड्डी से सैंपल एकत्रित किए थे। एलाइजा जांच के बाद जो रिपोर्ट सामने आई है, वह बेहद चौंकाने वाली है। रिपोर्ट में बच्चा जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) और एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) दोनों बीमारी में पॉजिटिव मिला है। इससे अस्पताल में हड़कंप मच गया। एक माह में दूसरे बच्चे में जेई की पुष्टि होने पर खलबली मच गई है। हालांकि, अभी टीम संबंधित गांव में नहीं गई है। बता दें कि मई–जून से शुरू हुआ दिमागी बुखार का सिलसिला अभी जारी है। एक अनुमान के मुताबिक जनवरी से अगस्त तक हाईग्रेड फीवर के करीब 800 केस दर्ज हुए हैं, जिसमें 38 में जेई–एईएस की पुष्टि हुई है। दिमागी बुखार के केस सर्वाधिक जिला अस्पताल में ही दर्ज हुए हैं। लगातार मिल रहे रोगियों के बाद भी एहतियात के तौर पर रोकथाम के प्रयास नहीं किए जा रहे।

हत्या के आरोप में सात पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोर्ट के आदेश पर हर्रैया पुलिस ने लड़की की हत्या आरोप में सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि जहर खिलाने के बाद लड़की को तालाब में डाल दिया, जिससे उसकी जान चली गई। थाना प्रभारी हर्रैया का कहना है कि घटना की लगभग तीन साल पुरानी है। छानबीन शुरू कर दी गई है। शिकायतकर्ता महिला ने तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को बहलाकर विपक्षी 17 मार्च 2021 को अपने घर ले गए। यहां उसे किसी पदार्थ में जहर मिलाकर खिला दिया। इससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद गांव से थोड़ी दूरी पर स्थित तालाब में ले जाकर डूबो दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी अमन, रेखा, गरिमा, गंजे, विक्रम, बज्जात व बज्जात की पत्नी के खिलाफ आईपीसी 302 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

बुर्जुग के एटीएम से जालसाज ने निकाल लिये 30 हजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के कलवारी थानांतर्गत कुसौरा बाजार में स्थित एटीएम बूथ पर पैसा निकालने गए एक बुजुर्ग के खाते से जालसाज ने तीस हजार रुपया उड़ा दिया। प्रकरण में पीड़ित ने उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

एसओ कलवारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसी थानाक्षेत्र के महुआपार कला निवासी मोहम्मद इकबाल ने बताया कि शुक्रवार को वह अपनी बेटी के साथ तारीख देखने बस्ती कचहरी जा रहे थे। रास्ते में कुसौरा बाजार स्थित एसबीआई के एटीएम में पैसा निकालने के लिए रूके। इसी बीच एक युवक आया और कहा कि चाचा आपको पैसा निकालते देर लगेगा। अपना एटीएम मुझे दे दीजिए, हम निकाल देते हैं। आरोप है कि उसने एटीएम का पिन पूछा और मशीन में एटीएम को लगाया। इसके बाद उसने कहा कि आपके खाते में तो पैसा ही नहीं है। इसी बीच उसने एटीएम बदल लिया।

पीड़ित के अनुसार जालसाज ने उसी दिन कलवारी स्थित पीएनबी बैंक के एटीएम से दस–दस हजार रुपये करके 30 हजार रुपया निकाल लिया।

समृद्ध हिन्द–प्रशांत हमारी प्राथमिकता- मोदी

विलमिंगटन (अमेरिका) (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) किसी के खिलाफ नहीं है बल्कि यह नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संप्रभुता के सम्मान के पक्ष में है। प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा, 'स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद–प्रशांत हमारी प्राथमिकता है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने गृहनगर विलमिंगटन में वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, 'हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम सभी नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान करने के समर्थन में हैं।'

प्रधानमंत्री का परोक्ष रूप से इशारा चीन की ओर था। चीन का दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में कई देशों से विवाद है। चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है वहीं वियतनाम, मलेशिया, फिलीपीन, ब्रूनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमारा संदेश स्पष्ट है कि क्वाड कायम रहेगा, सहायता करेगा, साझेदारी करेगा और पूरक बनेगा।'

उन्होंने कहा, ' हमने मिलकर स्वास्थ्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक एवं समावेशी पहल की हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'क्वाड के नेता ऐसे समय में एकत्र हुए हैं जब पूरी दुनिया तनाव और संघर्षों से घिरी हुई है। ऐसे समय में क्वाड का अपने लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मिलकर काम करना पूरी मानव जाति के लिए अहम है।'

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ' डेलावेयर के विलमिंगटन में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान सदस्य नेताओं से मिलकर खुशी हुई। चर्चाएं सार्थक रहीं। बैठक में इस बात पर ध्यान दिया गया कि क्वाड वैश्विक भलाई के लिए कैसे काम करना जारी रख सकता है। हम स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मिलकर काम करते रहेंगे।'

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि बैठक में शीर्ष नेताओं ने दक्षिण–पूर्व एशिया, प्रशांत द्वीप समूह और दक्षिण एशिया में साझेदारों के साथ सहयोग करने के नये तरीकों पर चर्चा की, साथ ही इस बारे में भी विचार–विमर्श किया कि क्वाड भविष्य में कैसे सहयोग करता रहेगा।

अधिकारी ने इस बातचीत को 'व्यापक' करार देते हुए कहा कि बैठक में सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा क्षेत्र को मजबूत करने, क्वाड लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, मानवीय सहायता और आपदा के दौरान सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। अधिकारी क्वाड क्षेत्र की विकास प्राथमिकताओं में मदद करना जारी रखेगा और और सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन में तेजी लाएगा।' नेताओं ने 'क्वाड कैंसर मूनशॉट' की घोषणा की, जो हिंद–प्रशांत क्षेत्र में जीवन बचाने के लिए एक अभूतपूर्व साझेदारी है। इसमें कहा गया है, 'कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान क्वाड की सफल साझेदारी, क्षेत्र में कैंसर की समस्या से निपटने के लिए हमारे सामूहिक निवेश, हमारी वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय क्षमताओं तथा हमारे निजी एवं गैर–लाभकारी क्षेत्रों के योगदान के आधार पर हम क्षेत्र में कैंसर के बोझ को कम करने के लिए साझेदार देशों के साथ सहयोग करेंगे।'

शुरुआत में 'क्वाड कैंसर मूनशॉट' का ध्यान हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सर्विकल कैंसर से निपटने पर केंद्रित होगा। साथ ही अन्य प्रकार के कैंसर से निपटने के लिए आधार तैयार किया जाएगा। भारत ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र को 75 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य के सर्विकल कैंसर टीके, 'ह्यूमन पेपिलोमावायरस' (एचपीवी) किट और जांच किट उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अनुदान की घोषणा करते हुए कहा कि यह अनुदान भारत के 'वन अर्थ, वन हेल्थ' (एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य) के दृष्टिकोण के तहत दिया गया है। भारत, विश्व स्वास्थ्य संगठन की डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर की अपनी प्रतिबद्धता के जरिए हिंद–प्रशांत क्षेत्र के इच्छुक देशों को अपनी उस डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को अपनाने और लागू करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

शिविर में बताया जीवन बचाने का महत्वः 16 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरी अनमोल जीवन संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर एवं जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विक्रमजोत ब्लॉक के केनौना चौराहा पर किया गया। शिविर का उद्घाटन बड़ौदा ग्रामीण बैंक के प्रबंधक गजेंद्र मोहन मिश्र द्वारा फीता काटकर किया गया। रक्तदान शिविर को लेकर युवाओं में काफी उत्साह नजर आया और 16 लोगों ने रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दिया। प्रबंधक ने कहा कि हमारे द्वारा दान किए गए रक्त से कई लोगों की जिंदगी बचती है। रक्तदान का कितना महत्व है। इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। उसे रक्त की सख्त जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे हमें आत्म संतुष्टि भी मिलती है। हरी अनमोल जीवन संस्थान द्वारा बताया गया कि भविष्य में ऐसे शिविरों का आयोजन लगातार जारी रहेगा जिससे कि समाज में जागरूकता फैलती रहे और समाज के लोगों की मदद होती रहे।

इस अवसर पर वीरेन्द्र कुमार सिंह, सनोज कुमार प्रजापति, उमेश चन्द्र, किशन कुमार, पिंटू प्रजापति, महेंद्र कुमार, संतोष कुमार, अनूप कुमार त्रिपाठी, मनोज कुमार, रिंकू कुमार, ऋर्षिमुनि, पंकज पाण्डेय, अभय वर्मा, अर्जुन वर्मा, राजेश कुमार पाण्डेय, दीपक चौरसिया, संतोष कुमार, शिव बालक प्रजापति, अनिल कुमार सिंह, गंगा प्रसाद मिश्र, अंकित तिवारी, अनुराग मिश्र, उमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

गबन की आरोपी महिला गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी व परसरामपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने गबन की आरोपी सविता निवासी सुरैला थाना परसरामपुर कर लिया है। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करने के साथ ही आरोपिता को न्यायालय भेज दिया। पुलिस कार्यालय के अनुसार उसके खिलाफ छावनी व परसरामपुर में ईसी एक्ट समेत अन्य धाराओं में चार मुकदमे पंजीकृत है। जिले के अन्य थानों से भी उसका आपराधिक इतिहास मंगाया जा रहा है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दुबे, प्रभारी चौकी विक्रमजोत रितेश कुमार सिंह, एसआई परसरामपुर ओमप्रकाश भारती, अशोक कुमार व अन्य मौजूद रहे।

करंट से झुलसे किसान की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हर्रैया (बस्ती)। थानाक्षेत्र के खम्हरिया गंगाराम गांव में सब्जी के खेतों में काम करते समय हाई टेंशन लाइन पर लटकती पेड़ की डालियों में करंट उतर रहा था। इसकी चपेट में आकर किसान गंभीर रूप से झुलस गया। अगल–बगल खेतों में काम कर रहे लोगों की नजर अचेत पड़े किसान पर पड़ी तो उठाकर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लाए। हालत गंभीर देख परिजन लखनऊ ले गए। जहां रविवार सुबह मौत हो गई। खम्हरिया गांव निवासी देवीदीन मौर्य (65) खेतीबाड़ी का कार्य करते थे। शनिवार सुबह वह गांव के पूरब सिवान में खेतों में उगाए गए सब्जियों में साफ–सफाई करने गए थे। खेतों के ऊपर से 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। पेड़ की डालियों के सहारे उगी झाड़ियां तार को छू रही थी। इन्हीं झाड़ियों में प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आकर देवीदीन गंभीर रूप से झुलस गए।

अस्पताल में इलाज के बाद उनके सेहत में कुछ सुधार हुआ भी। मगर थोड़ी देर बाद हालत बिगड़ने लगी तो परिजन इलाज के लिए लखनऊ ले गए। जहां रविवार सुबह देवीदीन ने दम तोड़ दिया। शव का लखनऊ में पोस्टमार्टम हुआ, उसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

48 हिन्दुओं को ईसाई बनाने की कोशिश पुलिस ने पांच को गिरफ्तार किया

मथुरा (आभा)। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में 48 हिन्दूओं को ईसाई बनाने की कोशिश का मामला सामने आया है। हाईवे थानाक्षेत्र के तुलसी नगर इंद्रपुरी कॉलोनी में लोगों को हिंदू ध र्म से ईसाई धर्म में परिवर्तित करने की कोशिश करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि कुछ लोग लोगों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाईवे थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

एसएसपी ने बताया कि आरोपियों को तब गिरफ्तार किया गया जब धर्म परिवर्तन से पहले वहां एक धर्म सभा चल रही थी। पुलिस ने कहा कि कथित धर्मांतरण के लिए लगभग 48 पुरुष और महिलाएं भी मौके पर एकत्रित हुए थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों को उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में सैमसन सैमुअल, अमरदेव, विकास भोई, अजय सेल्वराज और राकेश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में धार्मिक किताबें, पोस्टर आदि बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हाईवे थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) आनन्द कुमार शाही ने शनिवार शाम को बताया था कि पुलिस ने वहां एक मकान में करीब 48 पुरुषों और उसके सामने वाले मकान में इतनी ही महिलाओं को एकत्रित पाया।

उन्होंने बताया कि वहां भोजन आदि का कार्यक्रम चल रहा था, वहां कुछ धर्म संबंधी पत्रक भी मिले। उन्होंने बताया कि मकान के अंदर मौजूद एक ताइवानी नागरिक, मकान मालिक, उनकी पत्नी तथा करीब 12 महिला–पुरुषों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। एसएचओ ने कहा था कि धर्मांतरण के आरोप की पुष्टि करने वाला कोई ठोस प्रमाण मिलने पर ही उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केजरीवाल ने आर.एस.एस. से पूछे 5 सवाल

नई दिल्ली (आभा)। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जंतर मंतर पर आयोजित 'जनता की अदालत' में भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने चुनावी राजनीति, भ्रष्टाचार और विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए।

केजरीवाल ने अन्ना आंदोलन के समय की याद दिलाते हुए कहा कि उन्हें चुनाव लड़ने की चुनौती दी गई थी और उन्होंने साबित कर दिया कि चुनाव ईमानदारी के बल पर जीते जा सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मैं भ्रष्टाचार करने या मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए राजनीति में नहीं आया हूं।"

केजरीवाल ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा, "मैं आपसे पूछने आया हूं कि क्या आपको लगता है कि केजरीवाल चोर है या वे लोग चोर हैं जिन्होंने मुझे जेल भेजा?"

केजरीवाल ने यह भी ऐलान किया कि नवरात्रि शुरू होने पर वह मुख्यमंत्री आवास छोड़ देंगे और जनता के बीच रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का डर दिखाकर धमकाया जा रहा है और उनकी सरकारें गिराई जा रही हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने पूछा, "क्या यह सही है कि भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे नेताओं को भाजपा में शामिल करना उचित है?" उन्होंने यह भी कहा, "भाजपा की उत्पत्ति आरएसएस से हुई है, मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि क्या वह भाजपा की राजनीति से संतुष्ट हैं?" केजरीवाल ने कहा कि भाजपा में एक नियम है कि नेताओं की आयु 75 वर्ष होने के बाद वे सेवानिवृत्त हो जाएंगे, क्या यह प्रधानमंत्री मोदी पर लागू नहीं होगा। जिस तरह से मोदी जी पार्टियों को तोड़ रहे हैं और देश भर में सरकारों को लालच देकर या ईडीऔर सीबीआई की धमकी देकर गिरा रहे हैं, क्या यह सही है?

जमीन दिलाने के नाम पर 10 लाख की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज पुलिस ने जमीन का सौदा कराने के नाम पर धोखाध ड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि दस लाख 37 हजार रुपया लेने के बाद जमीन भी नहीं दी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। लालगंज थानाक्षेत्र के भद्दीपुरा निवासी मंजू यादव पत्नी ओमशंकर यादव वर्तमान में शहर के बभनगावां मोहल्ले में रह रही हैं। उनका आरोप है कि 2021 में महसो रोड पर उन्हें आरोपी महेन्द्र प्रताप ने एक बिस्वा जमीन दिखाई। उसकी 11 लाख रुपया बताया। एडवांस मनी के रूप में 28 जून 2022 को तीन लाख रुपया ले लिया।

इसके साथ ही चार लाख 95 हजार रुपय नकद जमीन देने के बहाने ले लिया। गूगल पे के माध्यम से उनके पति से कई बार में ऑनलाइन दो लाख 42 हजार 100 रुपया ले लिया। इस तरह कुल दस लाख 37 हजार 100 रुपया ले लिया। फिर जमीन के पूछने पर टालमटोल करने लगा। जमीन नहीं मिलने पर पैसा वापस मांगना शुरू किया तो फिर टालने लगा।आरोप है कि धोखे में रखकर पूरा रुपया रख लिया। पुलिस ने आरोपी वाल्टरगंज थाने के रेहार जंगल वरगहवा भिटिया रोड सल्टौआ निवासी महेन्द्र प्रताप के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर छानबीन शुरू कर दी है।

रेलवे ट्रैक पर मिला सिलेंडर

कानपुर (आभा)। पिछले कुछ दिनों से लगातार देश के अलग–अलग इलाकों से ट्रेन पलटाने की साजिशों की खबरें आ रही हैं। इस बीच रविवार की सुबह कानपुर में एक लूप लाइन पर पांच किलोग्राम का छोटा गैस सिलेंडर मिला तो हड़कंप मच गया। लोको पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को सिलेंडर से काफी पहले रोक दिया। रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ और सिविल पुलिस की टीमें घटना की जांच कर रही हैं।

उधर, कानपुर–अलीगढ़ हाइवे पर हादसा हुआ है। यहां ओवरटेकिंग के चक्कर में एक ट्रक ने डीसीएम में टक्कर मारी। ट्रक ड्राइवर ट्रक के अंदर बुरी तरह फंस गया। बाद में उसकी मौत हो गई। जबकि डीसीएम में आग लग गई। हादसे में दो और ट्रक आकर भिड़ गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग बुझाई। पुलिस ने क्रेन बुलाकर हाइवे से दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को हटवाया। यातायात बहाल करा दिया गया है।

जज का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर करा ली जमानत, सैकड़ों पेटी शराब भी रिलीज कराया

बलिया (आभा)। जिले में गजब फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। दरअसल कुछ शराब माफियाओं ने जज के फर्जी हस्ताक्षर से न सिर्फ अपनी जमानत करा ली बल्कि सैकड़ों पेटी शराब को भी रिलीज करा लिया। इसकी जानकारी होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की तह तक पहुंचने के प्रयास में जुट गई। फिलहाल कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कुछ दिनों पहले सहतवार पुलिस के पास कोर्ट से दो–तीन सौ पेटी पकड़ी गई शराब का रिलीज आर्डर पहुंचा। पुलिस को आर्डर पर संदेह हुआ तो अधिकारियों को अवगत कराया। छानबीन की गई तो पता चला कि कोर्ट से जारी किए गए उक्त रिलीज आर्डर पर जज के हस्ताक्षर फर्जी हैं। जांच में पुलिस को जानकारी हुई कि कुछ लोगों की जमानत भी जज के फर्जी हस्ताक्षर से ही हुए हैं। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने एक कोर्ट में प्राइवेट कर्मचारी के रूप में काम कर रहे युवक के साथ ही कुछ अन्य संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की तो एक लिपिक का नाम सामने आया।

बताया जाता है कि पुलिस लिपिक के साथ ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की खोजबीन कर रही है। कोर्ट ने ठहराया दोषी, कागजों में हो गए दोषमुक्त दीवानी न्यायालय के कुछ कोर्ट से शराब तस्करी समेत अन्य मामलों से जुड़ी फाइलें भी गायब हो गई हैं। कोर्ट ने कुछ लोगों को दोषसिद्ध ठहराया। हालांकि आबकारी विभाग के पास कुछ लोगों ने दोषमुक्त होने के कागजात प्रस्तुत किए।

रक्तदान कर जीवन बचाना सबसे बड़ा धर्म- गौहर अली

–43 लोगों ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भदावल वेलफेयर सोसायटी और ईमान फाउन्डेशन के संयुक्त पहल पर सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली और पं. सुनील कुमार भट्ट के संयोजन में रविवार को 43 लोगों ने जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्तदान किया।

गौहर अली ने बताया कि ईद–ए– मिलादुन्नवी पैगम्बर मोहम्मद साहब के जन्म दिन के उपलक्ष्य में यह रक्तदान किया गया। उन्होने कहा कि रक्तदान के द्वारा संकट के समय आप किसी का जीवन बचा सकते हैं। दूसरों के जीवनदान से बडा कोई धर्म नहीं हो सकता। हम भले ही अलग–अलग धर्मों के मानने वाले हो किन्तु लहू का रंग एक है। पं. सुनील कुमार भट्ट, ईमान फाउन्डेशन के एहसानुलहक, ग्राम प्रधान रोशन अली ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। रक्तदान समाजसेवा का बड़ा माध यम है। इससे हम दूसरों की जान बचाते हैं। युवाओं को इस दिशा में आगे आना चाहिये।

रक्तदान करने वालों में गुलजार अली, बाबूरतन, शईम, मोहम्मद आफताब, रामनेवाज, राकेश कुमार, प्रभाकर प्रताप सिंह, विशाल, ऐजाज अहमद, सुशील द्विवेदी, मोनू, अबू शहद खान, संदीप कुमार, मो. असलम, बंशीलाल, चन्द्रभान, सुध ांशु द्विवेदी, रामशंकर, सूर्य प्रकाश, मो. इद्रीस, गुलाम मुस्तफा, राजकुमार सोनी, अख्तर हुसेन, मो. करीम, एस.के. शमशुद्दीन, मौलाना मोहम्मद मारूफ, रमेश चौधरी, फागूलाल गुप्ता, शमशुल हुदा, पीर अली, मो. इश्तियार, मो. रफीक, कन्हैयालाल, मो. आरिफ, आशीष सिंह, रोशन अली, खैरूल वसर, कैफुद्दीन, रफीउद्दीन, रामलौट, कृष्णचन्द्र मौर्य, मो. इमरान, राहुल कुमार, शमसुद्दीन के साथ ही कुल 43 लोगों ने रक्तदान किया। मौके पर कुलदीप, सुरेन्द्र, मुजीब अंसारी आदि ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 सितम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

जम्मू–कश्मीर में चुनाव

जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के उपरांत एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का उत्साह बताता है कि लोगों की लोकतंत्र में गहरी आस्था बरकरार है। पहले चरण में 24 सीटों के लिये हुए शांतिपूर्ण मतदान ने उम्मीद जगायी है कि शेष चरणों में भी यह उत्साह कायम रहेगा। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की शृंखला ने शांतिपूर्ण मतदान को लेकर संशय पैदा कर दिया था। लेकिन चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन व नेताओं द्वारा जनता को जागरूक करने का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निष्कर्षत कहा जा सकता है कुछ शिकवे–शिकायतों के बावजूद कश्मीर का जनमानस शांति व लोकतंत्र में विश्वास रखता है। बहुत सालों बाद कश्मीर में मतदाताओं की लंबी–लंबी कतारें दिखाई दी। ऐसा ही उत्साह हालिया लोकसभा चुनाव में दिखा था जब पिछले साढ़े तीन दशकों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा था। इस बार का साठ फीसदी मतदान इसी कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इन चुनावों को ऐतिहासिक कहा जा सकता है। साथ ही यह उन विदेशी ताकतों को करार जवाब है जो कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण अपने निहित स्वार्थों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल, साबित हुआ कि देश के अन्य भागों की तरह ही कश्मीर के लोग भी शांति व सुशासन चाहते हैं। वे भी महंगाई व बेरोजगारी से निजात चाहते हैं। इस चुनाव में उन्होंने अलगाववादियों को दरकिनार करके मतदान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बावजूद अनुच्छेद 370 हटाने व राज्य का दर्जा खत्म किये जाने के मुद्दे से बहुत लोग सहमत नहीं थे। कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने को लेकर भी लोगों की राय में विभाजन देखा गया है। कतिपय राजनीतिक दलों के साथ ही कुछ लोगों ने अनुच्छेद 370 की वापसी व राज्यत्व बहाली के मुद्दे को तरजीह दी। बहरहाल, कुछ मुद्दों पर असंतोष के बावजूद लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की है। विचारों में यह असहमति लोकतंत्र की खूबसूरती भी है।

बहरहाल, राजनीतिक दल विशेष के एजेंडे के इतर हमें स्वीकार करना चाहिए कि भारत एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न धर्मों व संस्कृतियों के लोगों की हिस्सेदारी रही है। किसी राज्य का विशेष स्वरूप देश–काल व परिस्थितियों के अनुरूप भी तय किया जाता रहा है। वो समय की जरूरत रही है। शेष देश को किसी भी राज्य के धार्मिक, सांस्कृतिक व विशिष्ट स्वरूप का सम्मान करना चाहिए। बहुत संभव है किसी क्षेत्र विशेष की सोच का साम्य शेष देश के मिजाज व जरूरतों से भिन्न हो। लेकिन यही विविधता किसी लोकतंत्र की खूबसूरती है और उसका सम्मान किया भी जाना चाहिए। हमें नहीं भूलना चाहिए कि घाटी के लोगों की आकांक्षाओं की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में गहरी आस्था मजबूत हुई है। वहीं ध्यान रखना चाहिए कि भविष्य में बहुसंख्यक कश्मीरी समुदायों के हितों के साथ अल्पसंख्यक कश्मीरी ब्राह्मणों के हितों का संरक्षण भी किया जाए। जिन्हें कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा प्रमुख मुद्दा बनाये जाने के बाद भी न्याय नहीं मिला। उम्मीद करें कि विधानसभा चुनाव के बाद जब राज्य में चुनी हुई सरकार अस्तित्व में आए तो राज्य का दर्जा वापसी के बाद रोजगार व विकास के मुद्दों को प्राथमिकता मिले। इस संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में शांति देश के हित में है। जिसके लिये केंद्र से पर्याप्त सहयोग अपेक्षित है। निस्संदेह, राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हितों को दलीय हितों से ऊपर रखना चाहिए। चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं की लंबी–लंबी कतारें बताती हैं कि राज्य के लोग शांति व लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्ष में हैं। यह सुखद ही है कि ये चुनाव राज्य में चुनाव बहिष्कार की धमकियों व चेतावनियों से मुक्त शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं। मतदाताओं ने ऐसी किसी भी आवाज को तरजीह नहीं दी है। उम्मीद करें कि ये चुनाव आतंकवाद के खात्मे के लिये निर्णायक जनादेश लेकर आएं। ताकि राज्य कालांतर अलगाववादी सोच का खात्मा करने में सहायक साबित हो सके। एक बार फिर साबित हुआ है कि लोकतंत्र जनता की सक्रिय भागीदारी से ही महकता है। निश्चित रूप से कश्मीर के लोगों की यह जागरूकता राज्य में विकास की आधारभूमि को मजबूत करेगी।

हमारी ही जेब में हमारी विनाश सामग्री?

—तनवीर जाफरी—

जब से मोबाईल फोन प्रचलन में आया है तब से देश में ऐसे सैकड़ों हादसों की खबरें आईं जिनसे पता चला कि मोबाइल फोन में ब्लॉस्ट हो गया। कभी उनकी बैटरी ओवर हीट होकर फट गयी तो कभी चार्जिंग में लगे सेलफोन में विस्फोट गया। याद कीजिये किसी समय में विश्व की सबसे बड़ी मोबाईल निर्माता कम्पनी मानी जाने वाली श्नोकियाश को अपने मोबाईल में होने वाले विस्फोट की घटनाओं के चलते 2007 में अपने ठस्–5ब मोबाइल फोन मॉडल की 46 मिलियन बैटरियों को वापस मंगाना पड़ा था। मोबाईल फोन फटने की इन घटनाओं में अनेक लोगों के बुरी तरह से घायल होने यहाँ तक कि दर्जनों लोगों की मौत होने तक की खबरें आई थीं। केरल में त्रिशूर जिले के तिरुविल्वमला में ,राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में उत्तर प्रदेश के बरेली मेरठ व फर्रुखाबाद में, आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले तथा ओडिशा आदि स्थानों में ऐसे अनेक हादसे हुये जहाँ मोबाईल में हुये विस्फोट के कारण लोगों को अपनी जानें तक गंवानी पड़ीं। इसी तरह पिछली रिकार्ड तोड़ गर्मी के दौरान बढ़ते तापमान के चलते अनेक एयर कन्डीशन के कम्प्रेसर फटने यहाँ तक कि इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप घरों में आग लगने तक की खबरें आईं।

इसके बाद 2017 में कोरियन स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग ने अपने जिस फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी नोट 7 को लॉन्च किया था उसकी लांचिंग के केवल दो सप्ताह बाद ही इस मोबाईल में चार्जिंग के दौरान विस्फोट की शिकायत के कारण कंपनी ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी थी। बाद में गैलेक्सी नोट 7एस खरीद चुके नए स्मार्टफोन को कम्पनी ने बिना शर्त बदलने का निर्देश दिया। उसके साथ ही कम्पनी द्वारा दुनियाभर से गैलेक्सी नोट 7 वापस मांगे लिये गये। उस समय भारत में सैमसंग गैलेक्सी नोट 7 का मूल्य 59,900 रुपये था।

परन्तु इन सब दहशत पूर्ण घटनाओं के बावजूद जनमानस में भय व अविश्वास का ऐसा वातावरण कभी नहीं बना जैसा पिछले दिनों इस्राइल द्वारा छल कपट द्वारा लेबनान के विभिन्न शहरों में एक साथ अंजाम दिये गये पेजर व वॉकी टॉकी में हुये धमाकों और इनके परिणाम स्वरूप होने वाली तबाही के बाद उत्पन्न हुआ है। इन धमाकों में दर्जनों लोगों के मरने व तीन हजार से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें हैं। पहले तो यह खबर थी कि लेबनान में धमाके से फटने वाले पेजर को ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी गोल्ड अपोलो द्वारा बनाया गया था। जबकि गोल्ड अपोलो ने इस पेजर को बनाने से साफ इनकार कर रही है। गोल्ड अपोलो कंपनी, हंगरी की एक कंपनी को इसके निर्माण का जिम्मेदार बता रही है। गोल्ड अपोलो का दावा है कि लेबनान में एक साथ फटने वाले AR-924 पेजर का निर्माण बुडापेस्ट स्थित BAC कंसल्टिंग KFT ने किया था। जोकि एक सहयोग समझौते के तहत बीएसी लेबनान और सीरिया में पेजर की बिक्री के लिए गोल्ड अपोलो ब्रांड के ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर सकती है। परन्तु इसके निर्माण के लिए बीएसी ही जिम्मेदार है गोल्ड अपोलो नहीं। परन्तु हंगरी के अधिकारियों ने भी गोल्ड अपोलो के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बुडापेस्ट में मौजूद कंपनी एक व्यापारिक मध्यस्थ है। वहां पर इसका कोई भी उत्पादन यूनिट नहीं है। फिर सवाल यह है कि आखिर लेबनान में फटने वाले पेजर का निर्माण किसने किया ?

पूरे विश्व को हतप्रभ कर देने वाले इस पूरे घटनाक्रम को लेकर यदि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को सच माना जाये तो लेबनॉन में विस्फोट होने वाले पेजर व वाकी टाकी के निर्माण से लेकर इसके विस्फोट तक में इस्राईली खुफिया एजेंसी मोसाद की ही भूमिका है। अज्ञात स्रोतों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस्राईल ने पेजर के अंदर बम छिपाए और इसमें एक स्विच जोड़ा, जिसका प्रयोग बाद में उन्हें दूर से विस्फोट करने के लिए किया गया। मोसाद की ही खड़ी की गयी फर्जी कंपनी से ये हैंडसेट खरीदे भी गये थे। मोसाद ने ही ऐसा जाल बिछाया कि उसने लेबनान से पैसे लेकर उन्हें पेजर और वॉकी–टॉकी सेट बेचे और उन्हीं के द्वारा हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार भी दिया। यानी पूरी चतुराई के साथ मारने वाले बम रुपी उपकरण को बनाने का मूल्य भी वसूल किया और उनका विस्फोट कर हत्याएं अंजाम देने का अपना लक्ष्य भी पूरा किया। और इससे भी बड़ी सफलता इस्राईल को तब मिली जब हिज्बुल्लाह ने भयवश पेजर और वाकी टॉकी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। गौर तलब है कि लोकेशन ट्रेस होने के भय से हिज्बुल्लाह पहले ही मोबाईल के इस्तेमाल बंद कर चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक व साइबर तकनीक पर आधारित होते जा रहे दौर में अपनाई जा रही वर्तमान आधुनिक रणनीति में हिज्बुल्लाह इस्राईली छल कपट का सामना कैसे कर सकेगा ?

इस घटना ने पूरे विश्व को यह भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि क्या इलेक्ट्रानिक उपकरण पर आश्रित हो चुकी इस दुनिया का भविष्य भी अब मोसाद जैसी एजेंसियों के हाथों में जा चुका है ? याद कीजिये इस्राईली साइबर–आर्म्स कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा विकसित पैगसेस जैसा खतरनाक स्पाइवेयर जिसे आईओएस और एंड्रॉइड चलाने वाले मोबाइल फोन पर गुप्त रूप से और दूर से इंस्टॉल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पैगसेस स्पाइवेयर ने कुछ समय पूर्व भारत में भी तहलका मचा दिया था। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सायबर तकनीक व इलेक्ट्रानिक उपकरण का इस्तेमाल करने वाले लोगों की जान,उनकी गोपनीयता यहाँ तक कि उनके व्यवसाय उनकी जमापूंजी सब कुछ खतरे में आ चुकी है ? इस बात की क्या गारंटी है कि इसी तकनीक का दुरूपयोग कर या हैकिंग के द्वारा भविष्य में इसका इस्तेमाल किसी विमान में या जलपोत में नहीं होगा ? आज जब लगभग पूरी दुनिया की लोकेशन सार्वजनिक हो चुकी है ऐसे में किसी के द्वारा किसी को भी निशाना बनाना असंभव नहीं रहा। मोसाद जैसी मानवता की दुश्मन कोई भी कपटी एजेंसी लेबनान में अपनाये गये तरीके से तो कहीं भी तबाही मचा सकती है। तो क्या आधुनिक विज्ञान के वर्तमान दौर में हम अपने विनाश की सामग्री अपनी ही जेब में लिये फिर रहे हैं ?

अयुद्ध और शांति का उजाला हो

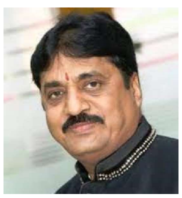

— ललित गर्ग—

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस सभी देशों और लोगों के बीच स्वतंत्रता, अहिंसा, सह–जीवन, शांति और खुशी का एक आदर्श संकल्प माना जाता है। यह दिवस मुख्य रूप से पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। किंतु यह काफी निराशाजनक है कि आज इंसान दिन–प्रतिदिन इस शांति से दूर होता जा रहा है। आज चारों तरफ फैली राष्ट्रों की महत्वाकांक्षाएं एवं बाजारवाद ने शांति को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो विश्व शांति का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन इसको अमल में लाने वालों की संख्या बेहद कम होती जा रही है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने–अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना होगा है। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस–2024 की थीम है शांति की संस्कृति का विकास। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा शांति की संस्कृति पर घोषणा और कार्यक्रम को अपनाए जाने की 25वीं वर्षगांठ है ।

आज दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से शांति खतरे में हैं। रूस–यूक्रेन और इस्राइल–गाजा का लम्बे दौर से चल रहा युद्ध शांति की बड़ी बाधा है। युद्धों का मानव जीवन, पर्यावरण एवं विकास पर सबसे घातक असर पड़ रहा है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बन रहा हैं जो शांतिपूर्ण जीवन को संभव नहीं होने देता। दुनिया में अनेक ऐसे विध्वंसक देश हैं, जो आतंकवाद, युद्ध एवं पडोसी देशों में अशांति फैलाने की राहों को चुनते हुए अपनी बर्बादी के साथ अन्य देशों में अशांति की कहानी लिख रहे हैं। पाकिस्तानी नेतृत्व ने भारत में आतंकवाद फैला कर लिखी अपनी बर्बादी की दास्तां, जिसे अब उसकी खुद की जनता झेल रही है। भारत शांतिप्रिय देश है, वह खुद शांति चाहता है और दुनिया में शांति की स्थापना के लिये निरन्तर प्रयत्नशील रहा है। शांति, अहिंसा , अयुद्ध एवं अमनचौन की भारत की नीतियों को देर से ही सही दुनिया ने स्वीकारा है। भारत की ऐसी ही मानवतावादी एवं सहजीवन की भावना को बल देने के कारण ही दुनिया एक गुरु के रूप में भारत को सम्मान देने लगी है। भारत आतंकवाद, हिंसा–युद्धयुक्त संसार और विस्तारवाद की भूख के खिलाफ जो सवाल उठाता रहा है, उसे अनेक देशों में न सिर्फ विचार के लिए जरूरी समझा जाने लगा है, बल्कि अब उन पर स्पष्ट रुख भी अख्तियार किया जा रहा है। शांति का उजाला फैलाने के उद्देश्य से विश्व शांति दिवस की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। इस दिवस को कोरा आयोजनात्मक न मनाया जाकर प्रयोजनात्मक रूप से मनाने की आवश्यकता है।

सम्पूर्ण विश्व में शांति कायम करना आज संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को रोकने और शांति की संस्कृति विकसित करने के लिए ही यूएन का जन्म हुआ है। संघर्ष, आतंक और अशांति के इस दौर में अमन की अहमियत का प्रचार–प्रसार करना बेहद जरूरी और प्रासंगिक हो गया है। इसलिए संयुक्त राष्ट्रसंघ, उसकी तमाम संस्थाएँ, गैर–सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी और राष्ट्रीय सरकारें प्रतिवर्ष शांति दिवस का आयोजन करती हैं। शांति का संदेश दुनिया के कोने–कोने में पहुँचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात हस्तियों को शांतिदूत भी नियुक्त कर रखा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन दशक पहले यह दिन सभी देशों और उनके निवासियों में शांतिपूर्ण विचारों को सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित किया था।

पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने विश्व में शांति और अमन स्थापित करने के लिए पाँच मूल मंत्र दिए थे, इन्हें पंचशील के सिद्धांत भी कहा जाता है। ये पंचसूत्र मानव कल्याण तथा विश्व शांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के पाँच आधारभूत सिद्धांत हैं। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाँच सिद्धांत निहित हैं–एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना। एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्रवाई न करना। एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना। समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना। शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना। भारत पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व शांति, अहिंसा एवं युद्धमुक्त विश्व संरचना के लिये प्रयासरत है। यूक्रेन–रूस एवं इस्राइल–गाजा में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत शांति प्रयास करने में जुटा है। एकमात्र भारत ही ऐसा देश है जो अपने आध्यात्मिक तेज एवं अहिंसा की शक्ति से मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति दे सकता।

विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में हर देश में जगह–जगह सफेद रंग के कबूतरों को उड़ाया जाता है, जो कहीं ना कहीं भारत के शांति के ही सिद्धांतों को दुनिया तक फैलाते हैं। इन कबूतरों को उड़ाने के पीछे एक शायर का निम्न शेर बहुत ही विचारणीय है–लेकर चलें हम पैगाम भाईचारे का, ताकि व्यर्थ खून न बहे किसी वतन के रखवाले का। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक चालों से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो–समान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता। आज सैन्य साजो–सामान एवं हथियार उद्योग विश्व में बड़े उद्योग के तौर पर उभरा है। आतंकवाद को अलग–अलग स्तर पर फैलाकर विकसित देश इससे निपटने के हथियार बेचते हैं और इसके जरिये अकूत संपत्ति जमा करते हैं। हाल ही में यूक्रेन–रूस, इस्राइल–गाजा अफगानिस्तान, ईरान और इराक जैसे देशों में हुए युद्धों एवं पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद को विशेषज्ञ हथियार माफियाओं के लिए एक फायदे का मेला मानते रहे हैं। उनके अनुसार दुनिया में भय और आतंक का माहौल खड़ा करके ही सैन्य सामान बेचने वाले देश अपनी चांदी कर रहे हैं।

बात केवल रूस–यूक्रेन युद्ध की ही नहीं है बल्कि देश के भीतर घटित हिंसा के ताण्डव की भी है। जबकि अहिंसा सबसे ताकतवर हथियार है, बशर्ते कि इसमें पूरी ईमानदारी बरती जाए। लेकिन विभिन्न देशों में तरह–तरह के धार्मिक–साम्प्रदायिक आन्दोलन हो या ऐसे ही अन्य राजनैतिक आन्दोलन, उनमें हिंसा का होना गहन चिन्ता का कारण बना है। हिंसा, नक्सलवाद और आतंकवाद की स्थितियों ने जीवन में अस्थिरता एवं भय व्याप्त कर रखा है। अहिंसा की इस पवित्र भारत भूमि में हिंसा का तांडव सोचनीय है। महावीर, बुद्ध, गांधी एवं आचार्य तुलसी के देश में हिंसा को अपने स्वार्थपूर्ति का हथियार बनाना गंभीर चिंता का विषय है। इस जटिल माहौल में विशेष उपक्रमों के माध्यम से अहिंसक जीवनशैली और उसके प्रशिक्षण का उपक्रम और विभिन्न धर्म, जाति, वर्ग, संप्रदाय के लोगों के बीच संपर्क अभियान चलाकर उन्हें अहिंसक एवं शांतिवादी बनने को प्रेरित किया जाना न केवल प्रासंगिक है, बल्कि राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जीवन की बड़ी आवश्यकता है। इन प्रयत्नों से ही विश्व की महाशक्तियों एवं उनकी हिंसक मानसिकता पर व्यापक प्रभाव स्थापित किया जा सकता है।

आज प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। शांति ही उन्नत एवं आदर्श जीवन का आधार है। मानव कल्याण की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। भाषा, संस्कृति, पहनावे भिन्न–भिन्न हो सकते हैं, लेकिन विश्व के कल्याण का मार्ग एक ही है और शांतिपूर्ण सह–जीवन। बशीर बद्र का शेर है कि सात संदूकों में भर कर दफ्न कर दो नफरतें, आज इंसाँ को मोहब्बत की जरूरत है बहुत।' मनुष्य को नफरत का मार्ग छोड़कर प्रेम के मार्ग पर चलना चाहिए। इस सदी में विश्व में फैली अशांति और हिंसा को देखते हुए हाल के सालों में शांति कायम करना मुश्किल ही लगता है, किंतु उम्मीद पर ही दुनिया कायम है और यही उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही वह दिन आएगा, जब हर तरफ शांति ही शांति होगी। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते।–(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

नये सन्दर्भो में भारत–चीन

—मनीष तिवारी—

जिनेवा सैंटर ऑफ सिक्योरिटी पॉलिसी में बोलते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सार्वजनिक डोमेन में रिपोर्ट के अनुसार स्पष्ट रूप से कहा कि बातचीत चल रही है, हमने कुछ प्रगति की है। मोटे तौर पर, आप कह सकते हैं कि लगभग 75 प्रतिशत विघटन की समस्याओं का समाधान हो गया है। ...हमें अभी भी कुछ काम करना है, लेकिन एक बड़ा मुद्दा है कि अगर हम दोनों ने सेनाएं पास–पास ला दी हैं, तो उस अर्थ में सीमा पर सैन्यीकरण का स्तर बढ़ गया है। इससे कैसे निपटा जाए?

जयशंकर ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि भारत–चीन के संबंध में बड़े मुद्दे हैं। हम व्यापार के मुद्दे पर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, चीन के साथ आर्थिक संबंध बहुत अनुचित रहे हैं। यह बहुत असंतुलित रहा है कि हमारे पास वहां बाजार तक पहुंच नहीं है। उनके पास यहां भारत में बहुत बेहतर बाजार पहुंच है। आज हमारे सामने कई क्षेत्रों में कई चिंताएं हैं, जैसे प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और डिजिटल। यदि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) पर 75 प्रतिशत विघटन समस्याओं का समाधान हो गया है, तो यह एक स्वागत योग्य कदम है क्योंकि भारत और चीन दोनों ही आगे बढ़ सकते हैं और संबंधों के अन्य पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जिसमें अनुचित और असंतुलित व्यापार संबंध शामिल हैं, जिसका उन्होंने उल्लेख किया है। हालांकि एक बड़ी चुनौती है, जिसे विदेश मंत्री ने जाने–अनजाने में चिह्नित किया है और वह है एल.ए.सी. पर सैन्यीकरण में वृद्धि। यह एक महत्वपूर्ण संकेतक है, क्योंकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पी.आर.सी.) ने वित्त वर्ष 2024 के लिए लगभग 236.1 बिलियन डॉलर के वार्षिक रक्षा बजट की घोषणा की है। तुलनात्मक रूप से, भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2024–25 में 74.3 बिलियन डालर है। चीन 17 इंडो–पैसिफिक सेनाओं के संयुक्त खर्च से अधिक खर्च करता है। इसके विपरीत, अमरीका चीन की तुलना में रक्षा पर 10 गुना अधिक खर्च करता है।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.)पर सैन्य विस्तार, जो वास्तव में भारत और चीन को विभाजित करने वाली सीमा है, पर चीन की ओर से सैन्य गतिविधि में तेजी देखी गई है। चीन इस क्षेत्र में सड़कों, हवाई अड्डों और किलेबंदी सहित अपने सैन्य बुनियादी ढांचे का आक्रामक रूप से विस्तार कर रहा है। एक उल्लेखनीय विकास अक्साई चिन क्षेत्र में पैंगोंग झील पर 400 मीटर लंबे पुल का निर्माण है। यह क्षेत्र 1960 से चीन के कब्जे में है, लेकिन यह भारतीय संप्रभु क्षेत्र में आता है। यह पुल सैनिकों और उपकरणों को ले जाने में लगने वाले समय को 12 घंटे से घटाकर लगभग 4 घंटे कर देगा, जिससे उनकी रसद क्षमताएं बढ़ेंगी और उनकी सैन्य उपस्थिति मजबूत होगी। सैटेलाइट इमेजरी और विभिन्न रिपोर्टें पुष्टि करती हैं कि चीन ने एल.ए.सी. के पास स्थायी सैन्य प्रतिष्ठान स्थापित किए हैं, जिससे उसकी शक्ति प्रक्षेपण क्षमताएं बढ़ गई हैं।

सैन्य वृद्धि पर भारत की प्रतिक्रिया रू चीनी सैन्य विस्तार के जवाब में, भारत एक जटिल रणनीतिक दुविधा का सामना कर रहा है। एक ओर, भारत को अपनी क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करनी होगीय दूसरी ओर, इन सुदूर, उच्च–ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चीन के तेजी से बढ़ते सैन्यीकरण का मुकाबला करना न केवल रसद के लिहाज से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि इसके लिए रक्षा व्यय भी अपरिहार्य है। भारत ने अतिरिक्त सैनिकों, वायु रक्षा प्रणालियों और उन्नत हथियारों की तैनाती कर के एल.ए.सी. पर अपनी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई है। हालांकि, इन अलग–थलग क्षेत्रों में एक मजबूत सैन्य स्थिति बनाए रखना भारत के रक्षा बजट पर काफी हद तक लेकिन अपरिहार्य दबाव डालता है। दीर्घकालिक रणनीतिक उद्देश्यों के साथ तत्काल सुरक्षा आवश्यकताओं को संतुलित करना, साथ ही आध्थक रूप से विनाशकारी गतिरोध से बचना, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। इसके अलावा, एल.ए.सी. पर सैन्यीकरण में वृद्धि के व्यापक भू–राजनीतिक निहितार्थ हैं। यह देखते हुए कि दोनों देशों के पास परमाणु क्षमताएं हैं, इस तरह की वृद्धि के संभावित परिणाम गंभीर हैं।

हालांकि, एल.ए.सी. पर सैन्यीकरण में वृद्धि भारत को पश्चिमी सहयोगियों के करीब ला सकती है, जैसा कि क्वाड (भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमरीका को शामिल करने वाला एक रणनीतिक गठबंधन)। जैसा कि स्पष्ट है कि पश्चिम के साथ संबंधों को मजबूत करने से भारत की सैन्य क्षमताएं बढ़ सकती हैं, लेकिन इससे चीन के साथ तनाव भी बढ़ सकता है।

धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो पक्षों में पथराव, 23 गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। भंगहा बाजार में धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो समुदायों में हुए विवाद के बाद पथराव हो गया। जिसमें एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विवाद को साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश को नाकाम करते हुए 23 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस व पीएसी की तैनाती की गई है। कोतवाली क्षेत्र भिनगा के भंगहा बाजार में नवरात्र को लेकर शनिवार देर शाम को एक समुदाय के कुछ बच्चे धार्मिक झंडा लगा रहे थे। बाजार में बिजली के खंभे पर झंडा लगाने के दौरान दूसरे समुदाय के एक परिवार ने विरोध किया और आजाद नाम के युवक ने सीढ़ी खींच लिया। इससे सीढ़ी पर चढ़ा किशोर नीचे गिर गया। जिसके बाद दोनों समुदाय के बच्चों में विवाद हो गया और दूसरे समुदाय के लोगों ने धार्मिक झंडा लगा रहे बच्चों की पिटाई कर दी। जानकारी होने पर दोनों समुदाय के लोग आमने सामने आ गए और उनमें मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोगों ने अपने घर व छतों से पथराव कर दिया। जिसमें एक पक्ष से शकुंतला (55) पत्नी राम चन्दर, प्रीतम (17) पुत्र अरुण कुमार पटवा जबकि दूसरे पक्ष से इमरान (25) पुत्र मुन्ना घायल हो गए। विवाद की सूचना पर भंगहा पुलिस चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और उच्चाधिकारियों को सूचित किया। सूचना के बाद पुलिस महकमा अलर्ट हो गया और मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल व पीएसी को तैनात कर दिया गया। विवाद को साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश को नाकाम करते हुए पुलिस ने मौके से 23 लोगों को गिरफ्तार कर लिया और कोतवाली भिनगा ले आई। मामले में कुल 44 नामजद लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण एएसपी प्रवीण कुमार यादव, भिनगा एसडीएम पियूष जायसवाल, सीओ संतोष कुमार मौके पर तैनात रहे। लोगों ने अपनी दुकाने नहीं खोली थी। सुबह जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने पुलिस बल के साथ भंगहा पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। साथ ही पैदल मार्च कर लोगों को अपनी दुकाने खोलने को कहा। वहीं लोगों को भीड़ में एकत्र न होने का निर्देश दिया गया।

घनश्याम चौरसिया, पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भंगहा बाजार में कुछ लड़के धार्मिक बैनर लगा रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों की ओर से रोका गया। जिसे लेकर विवाद हो गया और छत से पथराव हुआ। जिसमें दो तीन लोगों को मामूली चोटें आई हैं। कोतवाली भिनगा में मुकदमा दर्ज किया गया है और 23 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। आगे की कार्रवाई जारी है।

कप्तान और उप कप्तान का आयोजित हुआ ऑक्शन

संवाददाता–बहराइच। प्रीमियर लीग में कप्तान और उप कप्तान के लिए ऑक्शन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इशरत महमूद खान मौजूद व विशिष्ट अतिथि के रूप में छोटू अवस्थी रहे। बहराइच प्रीमियर लीग का आगाज नवंबर में किया जाएगा। टूर्नामेंट के सचिव निखिल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रीमियर लीग में छह टीमें प्रतिभाग करेंगी। जिसमें बहराइच बुल्स, कैसरगंज किंग्स,पयागपुर पैंथर्स, नानपारा नाईट्स, रुपईडीहा राइनोज, स्पार्टन्स श्रावस्ती हैं। इन टीमों में प्रदेश भर के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इनकी टीम के कप्तान और उप कप्तान के लिए टीम मालिकों के साथ आज ऑक्शन आयोजित किया गया। जिसमें टीम मालिकों ने कप्तान और उप कप्तान के लिए जमकर दांव लगाए। जिसमे बहराइच बुल्स के ऑनर उत्कर्ष सिंह ने अंशुमान पांडे पर बड़ी बोली लगाई, तो कैसरगंज किंग्स के ऑनर सौरभ शुक्ला ने भी बड़ी बोली लगाते हुए वैभव सिंह पर दांव लगाया।

नानपारा में एक साथ दो भेड़िया दिखने से दहशत का माहौल, एक बकरी को उठा ले गया

संवाददाता–बहराइच। भेड़ियों का आतंक बना हुआ है। जिले के नानपारा तहसील के पास हाइवे से चंद कदम की दूरी पर भेड़िया एक बकरी को उठा ले गया। इलाके में एक साथ दो भेड़िया दिखने से हड़कंप मच गया है। इलाके में दहशत का माहौल है। यह पहली बार है जब भेड़िया सीसीटीवी में कैद हुआ है। वहीं, महसी तहसील क्षेत्र में व्याप्त भेड़िये की दहशत के बीच शुक्रवार की रात जंगली जानवर ने दो थाना क्षेत्रों में मवेशियों को निवाला बनाया। मटेरा में जहां बछड़े को मक्के के खेत में तो वहीं कोतवाली देहात में एक साल की बछिया को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद से ग्रामीणों में भेड़िये के हमले की चर्चा है और सभी दहशत में हैं। वहीं, वन विभाग ने शुक्रवार की रात भेड़िये के हमले से इन्कार किया है।

रिसिया की ग्राम पंचायत करौंदा के मजरा भगवडवा निवासी प्यारे चौहान के घर के बाहर बंधे बछड़े को शुक्रवार की रात जंगली जानवर उठा ले गया। जानवर ने उसे गांव से लगभग 50 मीटर दूरी पर मक्के के खेत में निवाला बनाया। सुबह बछड़े का आधा खाया हुआ शव मिला। शव मिलने के बाद ग्रामीणों में भेड़िये के हमले की चर्चा तेज हो गई। भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हमले की सूचना विभाग व पुलिस को दी। खबर लिखे जाने तक मौके पर वन कर्मी नहीं पहुंचे थे और ग्रामीण दहशत में हैं।

कोतवाली देहात क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहरना निवासी बैजनाथ यादव शुक्रवार की रात अपनी एक साल की बछिया को घर के बाहर बांधकर सो गए थे। सुबह जब उठे तो बछिया का आधा खाया हुआ क्षत विक्षत शव पड़ा मिला। शव मिलते ही गांव में भेड़िये के हमले की अफवाह फैल गई और ग्रामीण दहशत में आ गए। कई ग्रामीणों ने बताया कि जिस हिसाब से शव को खाया गया वह भेड़िये का खाया है। सहमे ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी। ग्रामीणों ने बताया कि सूचना के बाद भी मौके पर कोई वन कर्मी नहीं आया। वन दरोगा दरोगा अमित श्रीवास्तव से बात करने पर उन्होंने बताया कि वह बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

रिश्वत ले रहे लेखपाल का वीडियो वायरल

संवाददाता–देवरिया। जिले में एंटी करप्शन और सीबीआई की रेड के बाद भी सरकारी कर्मचारियों की रिश्वतखोरी कम नहीं हो रही है। ताजा मामला एक लेखपाल का शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर रिश्वत लेने का है। रिश्वत ले रहे लेखपाल का वीडियो वायरल हो गया। वायरल वीडियो की जानकारी होते ही डीएम ने एसडीएम को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। सदर एसडीएम ने आरोपी लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

सदर तहसील क्षेत्र के पहाड़पुर ग्राम पंचायत में रणविजय सिंह लेखपाल के पद पर तैनात हैं। उनका शहर के सुभाष चौक पर पहाड़पुर के रुइहां टोला निवासी अंगद प्रसाद से वरासत के लिए रुपए लेते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। लेखपाल बाइक पर हेलमेट लगाए एक व्यक्ति के साथ बैठा है।

शहर के सुभाष चौक पर लेखपाल से अंगद प्रसाद अपने काम के संबंध में बात कर रहा है। वायरल वीडियो में बातचीत के दौरान अंगद प्रसाद लेखपाल रंजीत सिंह को काम जल्दी कराने की बात कहते हुए पांच–पांच सौ रुपए के कुछ नोट देता दिखाई दे रहा है। लेखपाल कम रकम होने की बात कह रहा है। अंगद पूछ रहा है कि आप बताइए और कितना दें। इसके बाद लेखपाल नोट लेकर जेब में रख लेता है। पैसा देने के बाद अंगद प्रसाद लेखपाल से चाय पीने को कहता है, लेकिन वह इन्कार करते हुए बाइक लेकर आगे बढ़ जाता है। लेखपाल का सुभाष चौक पर घूस लेने का वीडियो शनिवार को वायरल हो गया। जैसे ही इसकी जानकारी डीएम दिव्या मित्तल को हुई। उन्होंने सदर एसडीएम विपिन द्विवेदी को सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

एसडीएम सदर ने विपिन कुमार द्विवेदी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर लेखपाल रणविजय सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। बैतालपुर विकास खंड क्षेत्र के पहाड़पुर गांव के रुइहां टोला के पीड़ित अंगद प्रसाद के बड़े भाई भीम प्रसाद ने बताया कि वह छह भाई हैं। अंगद उनके सबसे छोटे भाई हैं। अंगद ही घर के मालिक हैं। बाहर का कामकाज वही देखता है। बताया कि उनके पिता नृपति प्रसाद की करीब दो साल पहले मृत्यु हो गई। भाइयों के नाम से वरासत दर्ज कराए जाने के लिए उनका भाई अंगद लेखपाल का चक्कर लगा रहा था। लेखपाल हीलाहवाली कर रहा था। वरासत दर्ज कराने के लिए ही अंगद से पैसे की डिमांड की गई थी। जिसे वह दे रहा था।

सड़क हादसों में युवक की जान गई

संवाददाता–बहराइच। तेज रफ्तार लोगों की मौत का वजह बन रहे है। रविवार को दोपहर में रुपईडीहा– बहराइच हाईवे के प्रहलादा गांव के पास तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार बेटे की मौत हो गई। जबकि मां, भतीजा घायल हो गए। तीन थानों के विभिन्न स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला सहित छह लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल ले जाने पर गंभीर घायल महिला जो आशा के पद पर कार्यरत है। उसे चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। बलहा संवाद के अनुसार मटेरा थाने के रुपईडीहा– बहराइच हाईवे पर रविवार दोपहर में लगभग दो बजे तेज रफ्तार अनियंत्रित डीसीएम ने विपरीत दिशा से आ रही बाइक मे टक्कर मार दी। इस हादसे में रिसिया थाने के बंगलाचक के पटेल नगर निवासी संदीप कुमार पाल (18) पुत्र घूरे पाल अपनी मां 45 वर्षीय रामावती और भतीजा दो वर्षीय यशपाल पुत्र दिलीप के साथ बाइक से नानपारा की तरफ गए थे। रविवार दोपहर में दो बजे बाइक से मां–बेटे और भतीजी वापस घर के लिए रवाना हुए। मटेरा थाने के प्रहलादा गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे संदीप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां और भतीजा घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं मृतक के शव को पिता घूरे पाल की तहरीर पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है।

स्थाईकरण को लेकर सफाई कर्मचारी संघ की बैठक

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश पंचायत राज्य ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता संघ अध्यक्ष भोपाल शरण सिंह ने किया। स्थाईकरण समेत सात बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिसमें कहा कि अक्टूबर तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो सफाई कर्मचारी आगे की रणनीति करेंगे। संघ के जिलाध्यक्ष ने कहा कि सफाई कर्मियों की स्थाई करण के मुद्दे पर सरकार पूरी तरह से मौन धारण किए हुए हैं। मृतक आश्रित परिवारों को बीमा व पेंशन में भी हीलाहवाली की जा रही है। महामंत्री मंगल प्रसाद ने कहा कि एसीपी अभी तक लागू नहीं किया गया है, बकाया एरिया व बोनस के भुगतान को भी अधिकारी लटकाए हुए हैं। मृतक आश्रित परिवारों को नौकरी देने में भी देरी की जा रही है। सात सूत्री मांगों को लेकर जल्द ही जिला पंचायत राज अधिकारी के पटल पर मामला रखा जाएगा। अक्टूबर तक उनके स्तर से सभी समस्याओं के निस्तारण न होने पर संघ आगे की कार्रवाई को लेकर बैठक करेगा।

निःस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करता है एनसीसी

संवाददाता–श्रावस्ती। 51वीं यूपी बटालियन एनसीसी बलरामपुर की ओर से सिरसिया के घोघवा कला स्थित बनवारी देवी अशोक कुमार महाविद्यालय में सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जो 20 सितम्बर से 27 सितम्बर तक चलेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्र व बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अरविन्द प्रताप सिंह पटवाल ने रविवार को तीसरे दिन के प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया। शिविर के सफल संचालन के लिए कैडेटों को अल्फा, ब्रेवो, चार्ली, डेल्टा आदि ग्रुप में बाटा गया है। वहीं कैडेटों को फायरिंग सहित कई विषयों का अभ्यास कराया गया। दद्दन मिश्र ने कहा कि एकता व अनुशासन के आदर्श वाक्य से प्रेरित एनसीसी भारत के युवाओं को उनकी वास्तविक क्षमता का अहसास कराने और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि एनसीसी संगठन देश के युवाओं में देश पहले, देश सर्वोपरि के साथ ही नैतिक और मानवीय गुणों को विकसित करने में अहम भूमिका अदा करता है। वहीं कर्नल पटवाल ने कहा कि एनसीसी का मुख्य उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, चरित्र, भाईचारा, साहस की भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों का विकास करना है। संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का मानव संसाधन तैयार करना, जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करना और राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव उपलब्ध रहना है। उन्होंने बताया कि 20 से 27 सितम्बर तक चलने वाले इस शिविर के पहले दिन कैडेटों का स्वागत व रजिस्ट्रेशन आदि किया गया। इसमें बलरामपुर ,बहराइच व श्रावस्ती जिले के लगभग 400 कैडेट्स सम्मिलित हुए। इस मौके पर बटालियन के ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अनुराग गंजवार, लेफ्टिनेंट डॉ. सूर्यभान रावत, सूबेदार नायक, सूबेदार खड़का बहादुर, सूबेदार बलवीर आदि मौजूद रहे।

बाढ़ के पानी में फिसल कर ममेरे भाई-बहन की मौत

संवाददाता–बहराइच। घाघरा नदी के बाढ़ प्रभावित मोतीपुरवा में रविवार दोपहर चचेरे भाई बहन डूब गए। तैराकों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शव बरामद कर लिए। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस व राजस्व महकमे की टीम मौके पर पहुंच गए हैं।

मोतीपुर थाने के जालिम नगर पुलिस चौकी इलाके के मनगौढ़िया गांव के मजरा मोतीपुरवा घाघरा नदी की बाढ़ से प्रभावित है। रविवार दोपहर लगभग 11रू30 बजे ननिहाल आए लखीमपुर जिले के धौरहरा थाने के प्रतापपुर निवासी 10 वर्षीय धर्मेंद्र विश्वकर्मा पुत्र पिंटू विश्वकर्मा, मोतीपुर थाने के मनगौढ़िया के मजरे मोतीपुरवा निवासिनी 10 वर्षीय रिंकी पुत्री बदलू विश्वकर्मा गांव के बाहर जहां घाघरा के बाढ़ का पानी भरा था, वहीं खेल रहे थे। अचानक रिंकी का पैर फिसलने से वह डूबने लगी, तो धर्मेन्द्र भी उसे बचाने की कोशिश में डूबने लगा। देखते ही देखते दोनों बाढ़ के पानी में डूब कर लापता हो गए। मवेशी चराने आए चरवाहों ने शोर मचाया, तो लोग दौड़े और बाढ़ के जलभराव में तैराकों को उतारा गया। कड़ी मशक्कत के बाद पहले रिंकी का शव बरामद हुआ। कुछ ही देर बाद धर्मेन्द्र का भी शव बरामद हो गया। शव मिलते ही उनके परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर मिहींपुरवा तहसीलदार अंबिका चौधरी राजस्व महकमे की टीम के साथ पहुंचे। जालिम नगर पुलिस चौकी प्रभारी दिनेश सिंह ने पोस्टमार्टम कराकर दोनों लाशें परिजनों को सौंप दिया है।

अयोध्या की रामलीला स्थानीय कलाकार अंजली शुक्ला निभाएंगे माता कौशल्या और मां पार्वती का रोल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में अयोध्या की रामलीला का छठा संस्करण 1 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक सहकारी प्रबंध प्रशिक्षण केंद्र तुलसी नगर अयोध्या में आयोजित होगा जिसमें गति वर्षों कि भांति इस वर्ष भी फिल्मी कलाकार अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे और इसका सीधा दूरदर्शन और सोशल मीडिया पर किया जाएगा जिसके करोड़ दर्शक इस रामलीला से जुड़ेंगे और इसका लाइव प्रसारण भी होगा जिसमें हजारों की संख्या में रामलीला प्रेमी भगवान के चरित्र को देखकर आनंदित होंगे उक्त बातें अयोध्या के सरयू होटल में संस्थापक संयोजक सुभाष मलिक ने बताई। उन्होंने बताया इस वर्ष फिल्मी कलाकारों अधिक संख्या में स्थानीय कलाकारों को भी मौका दिया जाएगा जिससे यहां अयोध्या के लोकल कलाकार भी अपने कला का प्रदर्शन कर पाएंगे और उन्हें आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा।

भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या से इस वर्ष की रामलीला में मां पार्वती और प्रभु श्री राम की जननी माता कौशल्या का रोल अयोध्या की स्थानीय कलाकार अंजली शुक्ला निभाएंगी। उन्होंने बताया यह मेरा सौभाग्य है कि जी प्रभु श्री राम की जन्मस्थली मेरा जन्म हुआ और यही के कनौसा कॉन्वेंट में मेरी शिक्षा दीक्षा हुई। पढ़ाई करने के बाद मैं दिल्ली गई थिएटर में काम मॉडलिंग की भी शिक्षा ली है लेकिन प्रभु श्री राम की कृपा है कि वह अपने भक्तों को भूलते नहीं हैं और उन्हीं के आशीर्वाद से मुझे अयोध्या की रामलीला में काम करने का अवसर प्राप्त हो रहा है निश्चित ही मैं पूरे मन से अपना सबसे बेस्ट करने का प्रयास करूंगी और मैं बहुत खुश हूं उत्साहित हूं कि जहां मैंने खेली कूदी और वहीं से मुझे इतनी बड़ी रामलीला में कार्य करने का मौका और रामलीला में कार्य करने का यह मेरा पहला अवसर है प्रभुश्री राम आशीर्वाद से मैं उत्साहित हूं और बहुत अच्छा करूंगी।

थारू बाहुल्य गांवों की सूरत बदलेगी

संवाददाता–बहराइच। संचुरी क्षेत्र में आबाद थारू बाहुल्य गांवों की सूरत बदलेगी। सड़क, बिजली पानी की मुकम्मल व्यवस्था होगी। इलाज से लेकर उनके जीवन में सुधार से जुड़ी सभी गतिविधियां संग 17 मंत्रालयों की ओर से संचालित योजनाएं भी लागू की जाएंगी। चयनित तीनों गांवों में यह बदलाव प्रधानमंत्री जन जातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत होगा। जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर नेपाल सीमा पर फकीरपुर, बर्दिया व विशुनापुर भारत का अंतिम थारू बाहुल्य गांव है, जो संचुरी क्षेत्र से लगा हुआ है। आजादी के सात दशक बाद भी ये गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। गांव पहुंचने को मुकम्मल सड़कें, इलाज को सरकारी अस्पताल, शिक्षा को बेहतर स्कूल संग योजनाएं भी ग्रामीणों के लिए टेढ़ी खीर बनी हुई है। इन पिछड़े गांवों के लोगों की जीवन दशा में बदलाव को लेकर डीएम की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर सरकार की मंजूरी मिल गई है। इसके तहत जन जातीय आबादी वाले ग्रामों बर्दिया, फकीरपुरी व बिशुनापुर में पक्के घरों का निर्माण, पक्की सड़कें, विद्युत कनेक्शन, एलपीजी कनेक्शन, ट्राइबल मल्टीपर्पज मॉर्केटिंग सेन्टर, हर घर स्वच्छ पेयजल की सुविधा, आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण, हॉस्टलों का इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम, मत्स्य उत्पादन, कौशल विकास, आर्थिक सशक्तिकरण सम्बन्धित कार्यक्रमों का संचालन, उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना, आश्रम पद्धति विद्यालय, आयुष्मान कार्ड, सीकेल सेल व खून की कमी से निपटने के लिए केन्द्र व अन्य सुविधा केन्द्र, पोषण वाटिका केन्द्र, कृषि आधारित व्यवसाय, पशुधन पालन आधारित व्यवसाय को बढ़ावा देने संग गांव सौर ऊर्जा से जगमगाएंगे। 17 मंत्रालयों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन से बर्दिया की 1540, फकीरपुरी की 2097 व बिशुनापुर की 1612 आबादी का चतुर्मुखी विकास होगा। जिले के तीन थारू गांवों का चयन पीएम उन्नति कार्यक्रम में हुआ है। इन गांवों को संवारने के लिए 17 मंत्रालयों की ओर से संचालित योजनाएं लागू होंगी। अन्य विकास कार्य भी कराए जाएंगे।

महामंडलेश्वर भैया जी द्वारा अयोध्या धाम में कथा सुन मंत्र मुक्त हुए भक्त

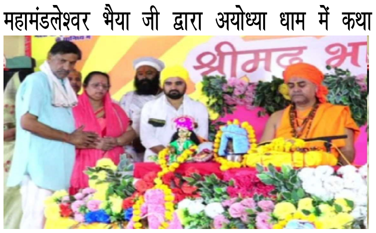

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के मणिरामदास छावनी में महामंडलेश्वर भैया जी बल्लभगढ़ वाले महाराज जी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस की सोपान में भक्तगण योग योगेश्वर भगवान कृष्ण के जन्म की कथा सुन मंत्रमुग्ध हो गए। श्री महाराज जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जीवन को बदल देती है। व्यास पीठ से महाराज जी ने कहा कि श्रीकृष्ण न तो युद्ध वादी हैं न पलायनवादी हैं वल्कि वो तो समन्वयवादी है। श्री कृष्ण का जन्म अंधेरी रात में होता है लेकिन सभी का जन्म अंधेरे में ही होता है,जगत की कोई भी चीज उजाले में नहीं जन्मती, सब कुछ जन्म अंधेरे में ही होता है।एक बीज भी फूटता है तो जमीन के अंधेरे में,फूल खिलते हैं प्रकाश में, जन्म अंधेरे में होता है।असल में जन्म की प्रक्रिया इतनी रहस्यपूर्ण है कि अंधेरे में ही हो सकती है।समाधि, ध्यान का जन्म भी गहन अंधकार में होता है अर्थात जहाँ बुद्धि का प्रकाश जरा भी नहीं पहुँचता।जहाँ सोच–समझ में कुछ भी नहीं आता, हाथ को हाथ नहीं सूझता है। वहीं पर परमात्मा का जन्म हुआ और व्यक्ति को ईश्वर तक पहुंचाने के लिए सबसे पहले गहन अंधकार में पहुंचना होगा तभी वह योगेश्वर कृष्ण को जान सकता है।

महाराज जी ने बताया कि भगवान कृष्ण का जन्म कारागार में होता है उन्होंने इसका अर्थ समझाते हुए कहा कि इस चराचर ब्रह्म में जो भी व्यक्ति है वह कारागार से मुक्त नहीं है भवसागर रुपी कारागार में प्रत्येक व्यक्ति घूमता रहता है या यूं कहें की जन्म ही एक बंधन है और जब आत्मा जन्म लेती है तो वह कारागृह में ही लेती है और व्यक्ति को इसीलिए मानव जीवन प्राप्त होता है कि वह इसकी मुक्ति के लिए संत सेवा गौ सेवा में अपना समय दे श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करें जिससे वह इस कारागार रूपी शरीर से मुक्त हो जाए। उन्होंने बताया कि जन्म के साथ ही मृत्यु मृत्यु का जन्म होता है और व्यक्ति एक–एक पल मृत्यु के करीब बढ़ता है, यही कारण है की श्रीमद् भागवत कथा इस जन्म मृत्यु के भय से मुक्त करती है। इस अवसर पर श्री संकट मोचन हनुमान किला मंदिर के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज जी ने कहा कि भैया जी की कथा अमृत तुल्य होती है सुनकर मन आनंदित हो जाता है और जब आनंद प्राप्त होता है तभी मनुष्य की मुक्ति होती है। महंत रामदास महाराज ने कहा कि अयोध्या में कथा श्रवण करना सबसे उत्तम है इसलिए जब भी समय मिले कथा श्रवण करते रहना चाहिए। कथा की विश्राम बेला पर आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया।

झिंगहा गांव में सांड़ के हमले में वृद्ध महिला की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। बालापुर बाजार में रविवार सुबह आठ बजे सांड के हमले में वृद्ध महिला की मौत हो गई। सांड के हमले में अब तक डेढ़ दर्जन लोग घायल हो चुके हैं। सांड का आतंक बढ़ता जा रहा है। सूचना के बावजूद समस्या का निस्तारण अभी तक नहीं किया जा सका है। सांड अचानक हमला करता है और किसी को संभलने का मौका नहीं देता है। रविवार सुबह आठ बजे रतनपुर झिंगहा के मजरे झिंगहा गांव निवासिनी 75 वर्षीय सुरसता डिब्बा उठाने घारी में गई थी। वहां मौजूद सांड ने उन्हें उठाकर पटक दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सांड काफी खतरनाक है। लगभग डेढ़ दर्जन लोग उसके हमले में घायल हो चुके हैं। वन विभाग को प्रार्थना–पत्र दिया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

झिंगहा, करैली, सगरापुर, बालापुर, रतनपुर, पटखौली व बालापुर बाजार में पिछले एक माह से सांड का आतंक बना हुआ है। रविवार को बालापुर में साप्ताहिक बाजार लगता है। मौका देखकर सांड किसी न किसी व्यक्ति को घायल कर देता है। संतराम, मनोज, मोहन, संचित, राघव, निबरे आदि ने बताया कि सांड का आतंक इतना है कि लोग उसे देखकर रास्ता बदल देते हैं। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भगदड़ मच जाती है। ग्रामीणों के मुताबिक सांड दिनभर जंगल में छिपा रहता है। शाम चार बजे जंगल से बाहर निकलता है। ठेले वालों के भागने पर उनकी हरी सब्जियां खा जाता है। लगभग एक घंटा उत्पात के बाद वह जंगल में जाकर गुम हो जाता है। सांड के हमले में अब तक लगभग डेढ़ दर्जन लोग घायल हो चुके हैं। कुछ लोगों ने दूसरों के घर में घुसकर अपनी जान बचाई है। यही नहीं भागने पर सांड दौड़ाकर हमला करता है। बालापुर बाजार में सांड का काफी आतंक है। कई लोगों की हड्डी पसली सांड के हमले में टूट चुकी है। कोतवाली जरवा में तैनात होमगार्ड राकेश यादव का सांड के हमले में जांघ फट गया था, जिसमें 20 टांके लगे थे। छोटे बच्चों का सांड का सबसे अधिक खतरा बना हुआ है। महिलाओं की भीड़ बाजार में सांड के डर से कम होने लगी है।

सरकारी भूमि पर संचालित हो रहा मदरसा

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया थाना क्षेत्र के तालबघौडा निवासी मोहम्मद अली पुत्र मकसूद अली ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर सरकारी भूमि पर मदरसा संचालन की शिकायत की है। दिए गए पत्र में मोहम्मद अली ने अवगत कराया है कि आराजी ग्राम सभा के कूला की भूमि है जिसे लोग रास्ते के रूप में उपयोग करते हैं। लेकिन कुछ लोग अवैध कब्जा कर बिना मान्यता के मदरसे का संचालन कर रहे हैं। वहीं खुद की जमीन को परती छोड़ रखा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मदरसे में अवैध गतिविधियां होती हैं साथ ही नेपाल व पाकिस्तान से अवैध रुप से चंदा लिया जाता है जिसकी शिकायत की गई थी। हल्का लेखपाल की ओर से अपनी बचत में केवल एक व्यक्ति के विरुद्ध न्यायालय तहसीलदार भिनगा के यहां रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। किन्तु तीन और लोगों पर कार्रवाई नहीं की गई है। मदरसे की मान्यता भी नहीं है। शिकायतकर्ता ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 297 का किया गया नेत्र परीक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। मॉडर्न पब्लिक स्कूल तुलसीपुर में रविवार को निरूशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन भाजपा नेता प्रकाश चंद्र मिश्रा के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में 297 मरीजों का निरूशुल्क नेत्र परीक्षण कर उन्हें दवाइएं दी गई। करीब 25 मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित मिले, जिनका निरूशुल्क ऑपरेशन दीप नेत्रालय के वरिष्ठ सर्जन डॉ कुलदीप विश्वकर्मा करेंगे।

तुलसीपुर मुख्यालय के बैरागी कॉलोनी में संचालित मॉडर्न पब्लिक स्कूल सभागार में सीमा जागरण मंच टीम के साथ भाजपा नेता प्रकाश चंद्र मिश्रा ने निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया। चिकित्सा शिविर में दीप नेत्रालय के वरिष्ठ सर्जन डॉ कुलदीप विश्वकर्मा एवं नेत्र परीक्षक आसिफ इसरार, ऑप्टोमेट्रिस्ट योगेश कुमार, प्रशासक डब्लू पांडेय एवं रणवीर कश्यप ने 297 मरीजों का निशुल्क नेत्र परीक्षण किया।

इनमें करीब 25 मरीज मोतियाबिंद के मिले, जिनका निःशुल्क ऑपरेशन करने की बात वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ कुलदीप विश्वकर्मा ने कही है। भाजपा नेता ने वरिष्ठ नेत्र सर्जन एवं उनकी टीम को समाज हित में कार्य करने पर श्रीराम दरबार एवं भारत माता का स्मृति चिन्ह तथा अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीमा जागरण मंच के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्रा, महिला प्रमुख डॉ पम्मी पांडेय, उत्सवानंद, जितेंद्र प्रसाद, जेएसपी मिश्रा, मिथिलेश जयसवाल, शुभम जायसवाल, शगुन मोदनवाल, नंदलाल बैरागी, गजाला अंजुम, अभिजीत तिवारी, सुनील कश्यप, अजीत कुमार, सुनील सिंह, प्रवीण यादव आदि का विशेष योगदान रहा।

पशु सूची से गौ माता को हटवाकर रामलला को दिखलाएंगे मुंह -शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

संवाददाता-अयोध्या। ज्योतिष पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के उत्तराधिकारी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने रामलला से यह वायदा किया है कि वह गौ माता को पशु सूची से हटवाने के बाद ही उन्हें मुंह दिखाएंगे, स्वर्ण पात्र में अमृत दुह कर भोग लगाएंगे। उन्होंने अपने इस वायदे की जानकारी मीडिया के साथ साझा की। इसके साथ ही यह भी घोषणा की कि रामालय ट्रस्ट सभी हिन्दू मंदिरों की मर्यादा का संरक्षण करेगा। उनका यह भी दावा है कि रामालय ट्रस्ट समग्र हिन्दू समाज का प्रतिनिधित्व करता है क्योंकि ट्रस्ट में शंकराचार्य व वैष्णवाचार्य शामिल हैं। उन्होंने इस कार्य के लिए सर्व समाज से सहयोग की भी अपील की। देशव्यापी गो-ध्वज स्थापना यात्रा की शुरुआत करने अयोध्या पहुंचे शंकराचार्य अपने प्रवास के दूसरे दिन अयोध्या कैंट के साहबगंज मोहल्ले में स्थित एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर कहा कि मुझे भाजपा विरोधी बताया जा रहा है जबकि हमने किसी राजनीतिक दल का न तो समर्थन किया और न ही विरोध किया। धर्माचार्य के रूप में समाज को क्षति पहुंचाने वाले मुद्दों पर हमने बात रखी। ताजा मामला है कि भाजपा के शासन में मूर्तियों व मंदिरों को तोड़ कर मलबे में फेंका जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि गो हत्या बंदी के समर्थन में निकाली जा रही यात्रा के विरोध में भाजपा की नागालैंड सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव कर विरोध कर रही है। यही नहीं भाजपा के सत्ता में रहते ही भारत विश्व की गोमांस निर्यातक देशों में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा का विरोधी छात्र नेता कह रहा है गो हत्या रोकने अरुणाचल आने से पहले उत्तर प्रदेश में गो हत्या रोकें जो देश का सबसे बड़ा गोमांस निर्यातक प्रदेश है। ऐसे में हम भाजपा समेत उन पार्टियों का विरोध के लिए बाध्य हैं जो सत्ता में रहकर गो हत्या रोकने के बजाय उसे बढ़ावा दे रहे हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने इशारों में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पर व्यंग करते हुए अयोध्या में मंगलवार को पंच गव्य प्राशन स्टाल लगवाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि तिरुपति लड्डू के बारे में आने वाली सूचनाओं से लड्डू को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर चुके हिन्दू समाज के लोग ग्लानि का अनुभव कर रहे हैं। उस ग्लानि को मिटाने के लिए पंच गव्य प्राशन की व्यवस्था की गई है। पंचगव्य न बना पाने वाले लोगों के लिए रामालय ट्रस्ट के सन्तोष दुबे के नेतृत्व में अयोध्या में मंगल वार को पांच स्थानों पर पंच गव्य प्राशन स्टाल की स्थापना की जाएगी जिससे सहजता से अयोध्या के वह लोग पंच गव्य ग्रहण कर अपनी ग्लानि को मिटा सकेंगे। शंकराचार्य ने इसके अलावा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पर इशारों यह आरोप भी मढ़ा कि राम मंदिर के लिए सदियों से संघर्ष करने वालों का सम्मान नहीं मिला। उन्होंने यह भी ऐलान किया है कि वह यहां दोबारा आकर अनुसंधान के जरिए संघर्ष करने वालों को सूचीबद्ध कर उन्हें सम्मानित करेंगे। उन्होंने शिव सैनिक रहे संतोष दुबे को मकान निर्माण के लिए सहयोग राशि देने की भी घोषणा की। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने रविवार को यहां कहा कि मन्दिरों की चढ़ोत्तरी से मन्दिरों में विराजमान देवता की सेवा से बचे पैसों से लोक कल्याण के कार्य होने उचित हैं। उन्होंने कहा कि जैसे घर में पहली रोटी गाय की होती है, वैसे ही पहली सेवा गाय की होनी चाहिए।

टीएलएम का उपयोग करें शिक्षक- अर्जुन प्रसाद

-भारतीय बस्ती संवाददाता- पौली (संतकबीरनगर)। पौली विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) प्रशिक्षण के अंतिम बैच के चौथे दिवस के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पर मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।

शिक्षकों को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण में आप सब ने जो भी सीखा है उसे विद्यालय पर जा कर बच्चो के बीच अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत करें। जिससे बच्चे आसानी से गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सके। शिक्षण कार्य करते समय गतिविधि व टीएलएम का उपयोग अवश्य करें। जिससे बुनियादी भाषा व गणित में दक्षताओं को हासिल करने में आसानी हो। साथ ही साथ प्रेरणा ऐप से सक्षम, मध्यम व संघर्षशील बच्चों का आकलन करते रहे। शिक्षक डायरी का उपयोग सभी शिक्षक करे।

संदर्भदाता एआरपी राजेंद्र यादव, हरीराम यादव, अजय कुमार, राजेश गुप्ता व दिलीप कुमार ने प्रतिभागियों को शिक्षक संदर्शिका आधारित भाषा-गणित व अंग्रेजी सहित अन्य सभी माड्यूलों के बारे में विस्तार से चर्चा कर टीएलएम का निर्माण व उपयोग के बारे में बताया। शिक्षा रश्मी यादव, भूपेंद्र कुमार से चार दिनों से मिले प्रशिक्षण की जानकारी ली।

प्रशिक्षण में आर्दश त्रिपाठी, राकेश कुमार, नरेंद्र, खालिद, भोलेंद्र यादव, त्रियुगी प्रसाद, रोहित, ऋषि शंकर यादव, भुपेंद्र कुमार, सोनू, रुद्रेश शरण सिंह, अनुपमा नायक, रश्मी यादव, बसंत कुमार, रत्ना पांडेय, चंदा नायक, वर्तिका, साधना चतुर्वेदी, आरती यादव, कामनी, गुंजन गौर्या, पुष्पा पांडेय सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

सीएम योगी ने 3 दिन में 900 लोगों की सुनी फरियाद, समस्याओं के निस्तारण में न हो विलंब

संवाददाता-गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। इन समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान तत्परता से करें। रविवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाया गया था। सीएम योगी इन सभी लोगों तक खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। रविवार को उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिया कि सबके साथ न्याय होगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण की हिदायत दी। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर सीएम ने कहा कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी।

सीएम योगी उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और न होने की जानकारी पर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उन्होंने हर पात्र का आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अपना दल एस ने व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। तुलसियापुर चौराहे पर रविवार को अपना दल एस कार्यकर्ताओं ने व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पुष्कर चौधरी का स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी शोषित, दलितों, समाज के कमजोर वर्ग के लिए काम कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष हमेशा जातीय जनगणना व ओबीसी के हक की लड़ाई लड़ने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय व लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि न्याय पालिका में ओबीसी, एससी-एसटी का उचित हिस्सेदारी हो।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने 300 लोगों को बनाया सदस्य

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। सदस्यता महापर्व पर भाजपा के जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने सदस्यता अभियान के तहत नगर पंचायत इटवा के अमौना गांव में 300 लोगो को भाजपा का सदस्य बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सदस्यता का प्रत्येक छह वर्ष में नवीनीकरण होता है। सभी लोग 8800002024 पर मिस्ड कॉल कर सदस्य बने। इस अवसर पर चेयरमैन विकास जयसवाल, कृष्णा मिश्र, अमित दुबे, राम शब्द उपाध्याय, संतोष भट्ट, राहुल चौरसिया, अमरनाथ चौबे, पप्पू उपाध्याय, राहुल चौहान, अलोक, सत्यम मोदनवाल, अक्षय अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

अगवा कर मारपीट के आरोप में सांसद अवधेश के पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता-अयोध्या। जमीन विवाद में युवक को अगवा करके मारपीट के मामले में पुलिस ने सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र और उपचुनाव में सपा से मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के दावेदार अजीत प्रसाद समेत तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। दर्ज एफआईआर में पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पलिया रिसाली निवासी रवि तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के अंकवारा निवासी शीतला प्रसाद की जमीन बेचने के एवज में उन्होंने एक लाख रुपये शीतला प्रसाद को दिए थे। यह जमीन उन्होंने सांसद के पुत्र अजीत प्रसाद और राजू यादव को बैनामा करवा दिया। एक लाख रुपये का चेक अजीत प्रसाद ने उन्हें दिया था। 21 सितंबर को वह सिविल लाइन में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के पास खड़े थे। तभी सांसद पुत्र अजीत प्रसाद, सिपाही शशिकांत राय और राजू यादव पहुंचे और उन्हें गाड़ी में जबरदस्ती बैठा लिया, उनसे मारपीट भी की और कुछ दूर ले जाकर उन्हें छोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रभात फेरी, निकालकर दिया एकजुटता का संदेश

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। आर्य समाज नई बाजार बस्ती के 51वें वार्षिकोत्सव में आमजन की सामूहिक सहभागिता के आह्वान के साथ ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती के नेतृत्व में राजा बाजार से मेहदवल रोड होते हुए बरदही बाजार, मरवटिया आदि क्षेत्रों में प्रभात फेरी निकालकर आर्य समाज के विद्वानों और कार्यकर्ताओं ने लोगों को आपसी भेदभाव भुलाकर एकजुटता का संदेश दिया।

इसके पास पश्चात आचार्य सुरेश जोशी के सानिध्य में लालगंज कस्बे में मनोरमा कुवानो संगम पर वैदिक यज्ञ कराते हुए लोगों को अंधविश्वास, पाखण्ड से दूर रहने का सुझाव दिया। पण्डिता रुक्मिणी देवी ने अपने भजनोपदेश के माध्यम से बताया कि हम जब ईश्वर की व्यवस्था में हम पूर्ण विश्वास करते हैं, तो निश्चय ही हम दुखों से छूट जाते हैं। आचार्य सुरेश जोशी जी ने बताया की अपनी प्राचीन संस्कृति से प्रेरणा लेते हुए हमें जाति भेद, वर्ग भेद, ऊंच नीच की भावना छोड़कर अपने धर्म पर दृढ़ रहना होगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे। कार्यक्रम में उपेंद्र शर्मा, आदित्यनारायण गिरी, प्राण देवी, सरोज देवी, राजकुमारी देवी, सुभाष चंद्र आर्य, शेष कुमार उपाध्याय, उमाशंकर दुबे, जयप्रकाश पांडेय, पवन कुमार, संतोष कुमार आर्य, अनु देवी, आर्य नंदिनी, अनुराग, सोमन देवी, घनश्याम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पति मकान बेचने की कर रहा था तैयारी पत्नी ने गला कसकर कर दी हत्या

संवाददाता-गोरखपुर। गोरखनाथ इलाके के तिलिया कुंआ विकासनगर में शुक्रवार की देर रात एक महिला ने अपने पति की तार से गला कसकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। महिला का अपने पति से घर को लेकर विवाद चल रहा था। उसे पता चला था कि पति मकान को बेचने की तैयारी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, तिलिया कुंआ विकासनगर निवासी अशोक निषाद (40) का उसकी पत्नी रिंकी देवी से विवाद चल रहा था। वह पिछले सात महीने से अलग रह रही थी। तीन बच्चों की मां रिंकी को पता चला कि उसका पति घर बेच रहा है। इसकी जानकारी होने पर शुक्रवार की रात वह घर गई और रात में ही करीब दो बजे विवाद के बाद उसने पति अशोक की तार से गला कसकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची गोरखनाथ पुलिस ने अशोक के भाई खूबलाल की तहरीर पर केस दर्ज कर रिंकी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

रिंकी की 20 साल पहले अशोक से शादी हुई थी। पति से विवाद के चलते वह पिछले सात महीने से अलग रहती थी। उसके तीन बच्चे हैं। इनमें एक बेटी की शादी भी हो गई है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह की वजह से ही पति-पत्नी में दूरी हो गई थी। रिंकी को लग रहा था कि पति अगर अपने हिस्से का घर बेच देगा तो उसके बच्चे बेसहारा हो जाएंगे।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि पत्नी ने तार से गला कसकर पति की हत्या की है। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, उसने बताया कि पति घर बेच रहा था इसलिए विवाद हुआ और ये घटना हो गई। उसे कोर्ट में पेशकर जेल भिजवा दिया गया।

पुरानी रंजिश में दुकानदार का सिर फोड़ा

संवाददाता-गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के करमहा में शनिवार की रात एक दुकानदार की पुरानी रंजिश में घेरकर पिटाई कर दी। सिर फटने से दुकानदार घटनास्थल पर बेहोश हो गया। पीड़ित के तहरीर पर गुलरिहा पुलिस तीन नामजद समेत सात के खिलाफ जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

क्षेत्र के करमहा निवासी गयासुद्दीन किराने की दुकान चलाता है। आरोप है कि शनिवार की रात साढ़े नौ बजे दुकान बंद करके घर वापस जा रहा था कि रास्ते में अचानक सलमान, फूल मोहम्मद, शाहरुख व तीन से चार अज्ञात मिलकर गाड़ी रोककर गिरा दिए। सलमान ने पीछे से रॉड से हमला कर दिया जिससे पीड़ित का सिर फट गया और बेहोश हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। पीड़ित की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने सात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

खराब सामान मिलने पर उपभोक्ता कर सकते हैं शिकायत -एडीजे

संवाददाता-अम्बेडकरनगर। अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता एवं नामिका अधिवक्ता रामचन्द्र वर्मा के संचालन में अकबरपुर विकास खंड परिसर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, उपभोक्ता अधिकार एवं स्थायी लोक अदालत की जन उपयोगी सेवाओं के सम्बन्ध में आयोजित शिविर में उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। अपर जिला जज ने कहा कि किसी व्यापारी द्वारा अनुचित तरीके से किए गए व्यापार से अगर उपभोक्ताओं को हानि पहुंचती है तो उसे मामले की शिकायत करनी चाहिए। जिला स्तर पर एक करोड़ रुपए तक, राज्य स्तर पर 10 करोड़ रुपए तक एवं राष्ट्रीय स्तर पर 10 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के वादों की सुनवाई होती है। कहा कि उपभोक्ताओं के अधिकारों में मुख्यतरूः सभी प्रकार की हानिकारक वस्तुओं एवं सेवाओं से सुरक्षा का अधिकार, सभी वस्तुओं और सेवाओं के प्रदर्शन तथा गुणवत्ता के बारे में पूरी तरह से सूचित करने का अधिकार, वस्तुओं और सेवाओं के मुक्त विकल्प का अधिकार प्रमुख रूप शामिल है। उपभोक्ताओं को सदैव शुद्धता एवं गुणवत्ता वाली वस्तु लेने के साथ ही आईएसआई मार्क तथा एफसीआर प्रमाणक देखकर ही लेना चाहिए जिस पर वस्तु उपयोग की अंतिम तिथि अवश्य लिखी हो। चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल रमेश राम त्रिपाठी ने कहा कि आनलाईन शापिंग में सामान की डिलेवरी का देना अथवा सामान खराब होने पर उसकी कानूनी नोटिस जरिए अधिवक्ता भेजना चाहिए। स्थायी लोक अदालत के सदस्य सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र ने जनहित सेवाओं से पीड़ित कोई भी व्यक्ति अपने विवादों के निपटारे के लिए स्थायी लोक अदालत में आवेदन कर सकता है। शिविर में एडीओ (आईएसबी) राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, एडीओ पंचायत हंस प्रकाश सिंह व अन्य मौजूद रहे।

प्लास्टिक युक्त कचरे के नुकसान की दी जानकारी

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को छठवें दिन कस्बा के छतहरी में जगह-जगह स्वयंसेवकों की टीम ने कचड़े व कूड़े की साफ-सफाई की। एनएसएस स्वयंसेवक जगह-जगह प्लास्टिक से पटे कचड़े की सफाई कर लोगों को प्लास्टिक के नुकसान व दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने क्षेत्र कस्बा क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया। प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह व राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम प्रभारी डॉ. राम किशोर सिंह ने कहा कि स्वच्छता सेवा ही एनएसएस का उद्देश्य है। इस अवसर पर सूरज, कृष्ण गोपाल, आदित्य, गोपाल, रंजीत, संजय, अभिषेक, रवि, गौरव, शिव शंकर, राजीव वर्मा, प्रेम कुमार, अश्वनी सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरी के जेवरात संग चार शातिर गिरफ्तार

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। एसओजी, सर्विलांस व शोहरतगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को नकथर से परगिवां जाने वाले मार्ग से चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से 25 हजार रुपये नगदी, सोने-चांदी के जेवरात, दो बाइक, चार फोन बरामद किया है। शोहरतगढ़ थाने पर सीओ अरुणकांत सिंह ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपितों में एक मिश्रौलिया थाना क्षेत्र का और तीन शोहरतगढ़ क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए चारो आरोपित दोस्त हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह लोग एक साथ छोटी मोटी चोरी आदि करके सामान नेपाल में ले जाकर बेचकर अपना जीवन निर्वहन करते हैं और अक्सर नेपाल में ही रहते हैं। कुछ दिनों के अंतराल पर सिद्धार्थनगर में आते हैं। आरोपितों ने 30 जून को कपिलवस्तु थाना क्षेत्र के महदेवा मिश्र गांव के एक घर से चोरी करने की बात कबूल की है। आरोपितों ने चोरी किए गए कुछ सामान नेपाल में बेचे थे जिसके पैसे से खर्च चलाए थे और जो सामान बचा हुआ था इसका अभी हिसाब नहीं किए थे। आरोपितों ने 10 सितंबर की रात शोहरतगढ़ के पकड़ी बाजार में एक सोनार की दुकान में सेंध काटकर चोरी किए थे।

उन्होंने डीवीआर आदि को नेपाल में बेच दिया था। इसे बेचने पर 10 हजार रुपये मिले थे और दुकान से नगद 1500 सौ रुपये मिला था। चोरी की दोनों घटनाएं बाइक से जाकर किए थे। गिरफ्तार आरोपितों में मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के नवडिहवा गांव निवासी रंजीत निषाद पुत्र जयमूरत निषाद, शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के सेहरिया गांव के औरहवां टोला निवासी अकरम अली पुत्र सफी मोहम्मद व मोहम्मद रफीक उर्फ पंचर पुत्र हबीबुल्लाह और मधवापुर गांव निवासी करीमुल्ला पुत्र अदालत शामिल हैं।

प्रभारी निरीक्षक बिन्देश्वरी मणि त्रिपाठी, एसओजी प्रभारी शेषनाथ यादव, प्रभारी सर्विलांस सेल एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई गोवर्धन, हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ल, दिलीप कुमार, परमानन्द राय, रविशंकर शुक्ल, दिलीप कुमार, सुरेश कन्नौजिया, अमरनाथ यादव, जनार्दन प्रजापति, विवेक मिश्र, कांस्टेबल सत्येन्द्र यादव, छविराय यादव, रोहित, वीरेन्द्र तिवारी शामिल रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

बाढ़ कम होने के बाद शुरू हुई कटान

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र में बह रही सरयू नदी अब अपने ठिकाने पर पहुंच गई है लेकिन जलस्तर घटने के बाद अब गायघाट के पास कटान शुरू हो गई है। कटान से पानी निकासी के लिए बनी एक पुलिया ध्वंस गई। जगह-जगह गड्ढों में पानी भरा है। वहीं बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। बाढ़ प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचकर उनका उपचार कर रही है। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छर रोधी दावों का छिड़काव शुरू हो गया। तहसील क्षेत्र में बाढ़ का पानी हटने के बाद गायघाट में कटान शुरू हो गई है। जिससे दर्जनों मकान पर संकट के बदले जहां मडराने लगे है। वहीं गांव की पुलिया के पास कटान होने से पुलिया धंस गई। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि विभाग बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पूरी मुस्तैदी से लगा हुआ है। जहां भी उनकी जो समस्याएं आ रही हैं। उसका निदान करने के लिए प्रशासन के लोग तुरंत पहुंच जा रहे हैं। दूसरी ओर अपर जिलाधिकारी जयप्रकाश एवं अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने तहसील धनघटा अंतर्गत बाढ़ प्रभावित ग्रामों में बाढ़ पीड़ितों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का निरीक्षण किया। बाढ़ राहत सामग्री किट वितरण, पशुओं आदि का चारा, टीकाकरण, छिड़काव एवं स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं आदि का निरीक्षण किया।

बारिश न होने से बढ़ी उमस, लोग बेहाल

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। क्षेत्र में इन दिनों बारिश न होने से सुबह से निकलने वाली तेज धूप से उमस बढ़ गई। बिना बिजली घरों व बाहर कहीं भी लोगों को चैन सुकून नहीं मिल रहा है। बिजली उपकरणों के सहारे दिन व रात कट रही है। बारिश न होने से कहीं कहीं किसान खेतों में पानी पंपिंग सेट से भर रहे हैं। क्षेत्र में रविवार सुबह से ही धूप खिल गई। दोपहर 12 बजे तक मौसम गर्म हो गया। इससे सड़कों पर आवागमन कम रहा। सड़कों पर आवागमन करने वाले लोग पसीने से तर बतर दिखे।

क्षेत्र के विशाल अग्रहरि, बब्लू श्रीवास्तव, शेषराम यादव, फरहान अब्बास, जुहेर हैदर ने कहा कि सितम्बर माह में कई दिनों से बारिश न होने से सुबह से तेज धूप हो रही है।

अयोध्या मस्जिद: पैसे के अभाव में अटका निर्माण, पांच साल से उसी हालत में, अब तक नक्शा भी नहीं हुआ पास

संवाददाता-अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर के फैसले के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने मस्जिद के लिए भी जमीन देने की बात कही थी। राम मंदिर तो लगभग बन चुका है, दर्शन भी शुरू हो चुके हैं लेकिन मस्जिद निर्माण की प्रक्रिया अटकी है। राममंदिर निर्माण का कार्य जहां 80 फीसदी तक पूरा हो चुका है, वहीं पिछले पांच साल में मस्जिद निर्माण की प्रक्रिया एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकी है। आलम यह है कि मस्जिद ट्रस्ट अब तक धन्नीपुर में प्रस्तावित मस्जिद निर्माण के लिए नक्शा तक नहीं पास करा सका है। मस्जिद ट्रस्ट इसका कारण धन की कमी बता रहा है। नौ नवंबर 2019 को अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने राममंदिर के हक में निर्णय सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद निर्माण करने के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का आदेश दिया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने सोहावल के धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन मस्जिद निर्माण के लिए आवंटित की थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर का निर्माण तो लगभग पूरा हो गया है, लेकिन धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद की अब तक नींव भी नहीं पड़ सकी है। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के सचिव अतहर हुसैन मस्जिद निर्माण में देरी की वजह का प्राथमिक कारण पैसों की कमी बताते हैं। वो कहते हैं कि ट्रस्ट इस जमीन पर निर्माण को लेकर व्यापक योजना बना रहा है। योजना के अनुसार यहां मस्जिद के अलावा एक अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल, एक सामुदायिक कैंटीन और 1857 की स्वतंत्रता की पहली लड़ाई की यादों को संजोने के लिए एक म्यूजियम बनाया जाएगा। हुसैन कहते हैं कि जितनी उम्मीद थी, उससे कम पैसा जमा हो पाया है, इसलिए काम में देरी हो रही है। बताया कि मस्जिद निर्माण में करीब 12 करोड़ लेकिन चौरिटी हॉस्पिटल के निर्माण में करीब 300 करोड़ के खर्च का अनुमान है। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) ने अपनी चारों उप समितियों को शुक्रवार को भंग कर दिया। अतहर हुसैन ने बताया कि यह फैसला विदेशी चंदा हासिल करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए किया गया है, क्योंकि सभी उप समितियां अनुमति मिलने में बाधा बन रही थीं। इसके साथ ही मस्जिद के नाम पर फर्जी बैंक खातों के खुलने की खबर आई थी। इससे निपटने के लिए ट्रस्ट ने एक एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। ट्रस्ट के सचिव के अनुसार प्रशासनिक समिति, वित्त समिति, मस्जिद विकास समिति और मीडिया व प्रचार समिति को भंग किया गया है। अतहर हुसैन ने बताया कि नक्शा पास कराने के लिए करीब एक करोड़ शुल्क देना होगा। इतना धन अब तक एकत्र नहीं हो पाया था। अभी तक चंदे के रूप में लगभग एक करोड़ ही मिले हैं। विदेशी चंदा लेने के लिए एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) में पंजीकरण की आवश्यकता है। इसलिए पंजीकरण के लिए आवेदन कर दिया है। तीन साल की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है।